नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि।

नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो, विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं, विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं, दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३११ वि.सं. २०८२ जेठ १८ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 01 June 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

पानी परे लग्टी किल बाढ ओ डुबानके त्रास

उन्नती चौधरी

धनगढी, १७ जेठ । बर्षौंसे पुनर्निर्माणके रकम नैपाइल बाढ तथा डुबान प्रभावित क्षेत्रके बासिन्दा बर्खा याम शुरू नैहुइटी चिन्तित बनल बटै कलेसे विपद्‌के लाग प्रदेश सरकारसे छुट्याइना बजेट 'फ्रिज' हुइटी आइल बा ।

पानी परे लग्टी किल सरस्वती बोगटीहे छाइक झल्को आइठ् । जेठ पहिल अँठ्वार सक्कारेक समय सिमसिमे पानी परटी रहल बेला मोबाइलमे छाइक तस्वीर हेरके कवाइटही । "औरे जनहनहे बचाइ गैल रही, अपनहे पानीमे बुह्रेमुगैल," छाइक तस्वीर डेखैटी सरस्वती कहली ।

घटना एक बरस आघेक हो । लगातार तीन दिनके मनसुनी वर्षासे २०८१ असार २४ मे पश्चिम तराई जलमग्न रहे । बाढ ओ डुबानसे जनजीवन प्रभावित रहे । छिमेकी गाउँमे उद्धार करे गैल बेला कञ्चनपुरके पुनर्वास नगरपालिका–५, 'ग' गाउँके सरस्वतीके छाइ सिर्जनासँगे आरती बोगटी ओ लक्ष्मी बोगटीके बुह्रेमुके ज्यान गैल रहे ।

बरसदिन हुइ लागलमे फेन सरस्वती उ पीडासे मुक्त हुइ सेकल नैहुइटी । घरमे अउइया जिहीहे फेन छाइके प्रसंग निकारके बात करे लग्ठी । "पह्रनामे बहुट मजा रहे । पह्रके बरवार मनै बनम कहे । डेख्नाम फेन सुन्दर रहे," सक्कु जनहनसे उहे बात दोहोऱ्याइठी, "मै बरवार हुइलपाछे टुहरीनहे दुःख करे नैपरी कहे ।"

इ बोलके सेकलपाछे ओहकान स्वर काँपठ् । चूप लग्ठी । एकसुरे मोबाइलमे राखल तस्वीर हेरठी ।

उ दिन रातोखल्ला गाउँमे बाढ पैंठल रहे । मनै ओ बस्तुभाउ पुहैटी बा कना खबर पाके उद्धारके लाग दश जाने गैल रहिट । "एकऔरेक हाठ पकरके डगरा काटट् रहिट, एकाएक डुबगैलै । लास निकारलमे फेन लक्ष्मी ओ सिर्जनाके टे हाठ नैछुटल रहे," सरस्वती कहली ।

ओइनसँगे गैल सात जाने बचतल रहिट । उहाँहुक्रे गाउँमे आके खबर करटसम पानीमे डुबल ओहे किशोरीके ज्यान जासेकल रहे ।

यी बेर फेन बर्खा शुरू हुइ लागेबर ओइनके चिन्ता थपल बा । लडिया क्षेत्रमे

तटबन्ध बनल नैहो । गैल बरस बाढसे भट्काइल संरचना ओस्टहे बावै । बाढ ओ डुबानके जोखिम कम हुइल नैहो ।

पुनर्वासके किल नैहो नैहो, छिमेकी गाउँघरके अवस्था फेन ओस्टहे बावै । सँगे जोरल कैलाली जिल्लाके बासिन्दा फेन चिन्तामे बटै । कैलालीके टीकापुर ओ भजनी नगरपालिका क्षेत्र हरेक बरस बाढ ओ डुबानसे प्रभावित हुइठै । "बर्खा शुरू हुइल कि रातके सुते नैसेकजाइठ्," भजनी नगरपालिका–७ के विपती चौधरी कहली ।

ओस्टके पीडा सुदूरपश्चिमी पहाडके बासिन्दाके फेन रहल बावै । गैल बरसके बाढपहिरोसे क्षति हुइल संरचनाके पुनर्निर्माण हुइ सेकल नैहो । विपद् प्रभावितसे पुनर्निर्माणके रकम फेन पाइल नैहुइट । पाँच बरस आघे हुइल क्षतिके पुनर्निर्माणके लाग रकम नैपाइल पीडितके गुनासो रहल बा ।

कैलालीके भजनीके चौधरी यी बरस फेन सडकमे बैठे पर्ना हो कि कना चिन्ता लागे लागल बटैली । बाढ तथा डुबानसे बचैना कौनो काम नैहुइल ओहकान कहाइ रहल बा । पानी परे लागलसँगे रात निंद लग्ना छोरल उहाँ बटैली । "बर्सेनि बाढसे विस्थापित हुइठी । दुई–तीन महिना सडकमे बास रहठ् । यी बर्खामे फेन सडकमे बैठे परी जैसिन बा," उहाँ कहली ।

बाढ ओ डुबान समस्या

हरेक बरस सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्लामे बाढीपहिरो तथा तराईमे डुबानसे सटाइठ् । तराईके दुई जिल्ला कैलाली ओ कञ्चनपुरके फेन दक्षिण क्षेत्रके बासिन्दा आउर बाढ ओ डुबानसे प्रभावित हुइठै । बाढ ओ डुबानके कारण कयौं रात भोकभोके सुते परल भजनीके विपती चौधरी सुनैठी । "हमार लाग सरकार बा कना अनुभूति करे पाइल नैहुइटी," उहाँ कहली ।

भजनीके प्रेम चौधरी फेन बाढ ओ डुबानके बेला चिउरा ओ चाउचाउ डेके समस्या समाधान नैहइना बटैठी । बरसभर समाधानके लाग कौनो कान नैहुइना ओ समस्यामे परलपाछे राहत सामग्री किल बोकके अइना परिपाटीसे दुःख पैटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा । "डुबानमे परल बेला डेना सान्त्वनासे समस्या समाधान नैहुइ । बरु बाढ ओ डुबानके समस्या पहिचान कैके दीर्घकालीन उपाय खोजे परठ्," चौधरी कहली ।

पाछेक कुछ बरस यहोर खोलुवा, लडियाके बाढ गाउँ पेल्ना ओ डुबान हुइना समस्या बह्रल उहाँ बटैली । विशेष कैके भजनी क्षेत्र ढेर डुबानमे परठ् । "हुलाकी राजमार्ग निर्माणपाछे बाढ ओ डुबान झन बह्रल बा," चौधरी कहली ।

भजनी नगरपालिकाके मेयर केवल चौधरी यी क्षेत्र डुबानमे पर्नाके ढेर कारण रलेसे फेन भारतीय बाँध प्रमुख रहल बटाजाइठ् । भारतके कैलाश बाँधसे डुबानके समस्या बह्रल बटैटी उहाँ कहली, "वर्षातमे भारतसे कैलाश बाँध बन्द करलपाछे ओकर असर भजनीमे ढेर पर्ना करल बा ।"

भजनीहे चारुओरसे लडियासे घेरल ओरसे फेन समस्या हुइल मेयर चौधरीके कहाइ रहल बा । औरे ओर, बाढ ओ डुबानसे बचैना उचित प्रयास नैहुइल ओहकान गुनासो रहल बा । स्थानीय सरकारसँग पर्याप्त बजेट नैहोके ओ प्रदेश तथा संघीय सरकारसे नैहेर्ना करल ओहकान कहाइ रहल बा ।

यी क्षेत्रसे प्रतिनिधित्व कैना सांसद गंगाराम चौधरी भर हुलाकी राजमार्गके कारण डुबानके समस्या निम्टल बटैठै । "पानीके निकास नैहो ओ राजमार्गके उचाइ जमीनसे १०/१२ फिट उँच रहल बा । इहीसे डुबानके समस्या बह्रल हो," सांसद चौधरी कहलै ।

गैल बरस बाढके कारण भजनी नगरपालिकामे किल एक हजार ८२२ परिवार विस्थापित हुइल रहिट । कैयौं घरमे क्षति पुगल रहे कलेसे खाद्यान्न नष्ट हुइल रहे ।

तराई क्षेत्रमे किल नैहोके, पहाडी भेगमे फेन बाढपहिरोसे जनधनके क्षति हुइटी आइल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके तथ्यांक अनुसार पाछेक आठ बरसमे दुई हजार ३१० विपद्‌के घटनामे ३५६ जनहनके ज्यान गैल बा कलेसे ५७ जाने हेराइल बटै ।

ओस्टके, विपद्‌के घटनामे एक हजार १३२ जाने घाहिल हुइल आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय जनैले बावै । इ अवधिमे २० हजार ९७५ परिवार प्रभावित बटै कलेसे ६५ करोड ६२ लाख ३४ हजार ७६९ रुपैयाँ बराबरके क्षति हुइल प्रदेश सरकारके आकलन बा ।

विपद्‌के बजेट "फ्रिज"

एकओर विपद् प्रभावित राहत तथा पुनर्निर्माणके लाग सहयोग नैपाइल हुइट कलेसे औरेओर सरकारसे छुट्याइना बजेट खर्च नैहुइल हो । आठ बरसमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे विपद्‌के लाग विनियोजन करल बजेट खर्च नैहुइल डेखल बा । प्रदेश सरकारसे पाछेक सात बरसमे विपद्‌के लाग कहिके २६ करोड ८० लाख रुपैयाँ बजेट विनियोजन करल रहे । *(बाँकी ३ पेजमे)*

वृहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरमे ५५६ जाने सेवा लैलैं

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १७ जेठ । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर १ हसुलिया स्थित दिपेन्द्र माविमे शनिच्चरके रोज हुइल वृहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरमे ५५६ जाने टमान मेरिक सेवा लेले बटै ।

कैलारी गाउँपालिका ओ स्वास्तिक कार्डियो एण्ड मल्टीस्पेसियालिटी हस्पिटल प्रालि धनगढीके संयूक्त आयोजना तथा नवजीवन सेवा संघके साझेदारी सञ्चालित वृहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरमे पुरुष १२३ जाने महिला ४३३ जाने करके ५५६ जाने सेवा लेहल कैलारी गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा प्रमुख नरेशकुमार चौधरी जनैलै ।

स्वास्थ्य शिविरमे हाडजोर्नी सम्बन्धी २३६ जाने, सामान्य चिकित्सा सेवा २४४ जाने, नाक कान घाँटी सम्बन्धी ४२ जाने, जनरल सर्जरी २० जाने, स्त्रीरोग ३४ जाने सेवा लेहल रहिट ।

कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ३ के वडा अध्यक्ष तथा सामाजिक विकास समिति सयोजक सन्तराम चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे प्रमुख अतिथि गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी रहल रहिट । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ रोग नुकैना प्रवृतिसे पाछे जटिलता बह्रटी गैल बटैली ।

गाउँपालिका उपाध्यक्ष कहली 'गाउँघरमे कोई आर्थिक अभाव, कोई कामके व्यस्तताके कारण आपन स्वास्थ्य जाँच कराई नैसेक्ठै । उहीहे मध्य नजर कैलारी गाउँपालिका ओ स्वास्तिक कार्डियो एण्ड मल्टीस्पेसियालिटी हस्पिटल प्रालि धनगढीके संयूक्त आयोजना तथा नवजीवन सेवा संघके साझेदारी वृहत स्वास्थ्य शिविरके आयोजना करल हुई ।

गाउँपालिकाबासीहुकनके स्वास्थ्यहे मध्य नजर करके गाउँपालिकासे प्रत्येक बरस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन करटी आइल उहाँ जनैली । ओस्टेक करके उहाँ नियमित रुपमे स्वास्थ्य जाँच करैलेसे पाछे भारी समस्यासे बाँचे सेक्ना बटैली ।

वृहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरमे विशिष्ट अतिथि स्वास्तिक कार्डियो एण्ड मल्टीस्पेसियालिटी हस्पिटल प्रालि धनगढीके अध्यक्ष दिपेन्द्र तिवारी रहल रहिट । कार्यक्रममे नवजीवन सेवा संघके कार्यक्रम संयोजक एकिन्द्र ठकुल्ला, फिल्ड संयोजक प्रमिन्द्र श्रेष्ठ, कैलारी गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा अन्र्तगतके टिम, स्वास्तिक कार्डियो एण्ड मल्टीस्पेसियालिटी हस्पिटल प्रालिके टिम, महिला स्वास्थ्य स्वम सेविकाहुकनके सहभागिता रहे । कार्यक्रमके संचालन कैलारी गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा प्रमुख नरेशकुमार चौधरी करल रहिट ।

यिही आघे वृहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर गैल जेठ १० गते वडा नम्बर ६ स्थित बनकट्टामे संचालन हुईबेर ४४६ जाने सेवा लेहल रहिट ।

गर्मी मौसममा हुनसक्ने आगलागीका घटनाहरू र सोबाट हुनसक्ने जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्न निम्नानुसार गर्ने गरौं

- सलाई, लाइटर जस्ता आगो बाल्ने सामग्रीहरु बालबालिका तथा मानसिक सन्तुलन ठिक नभएका व्यक्तिहरुले नभेट्ने ठाउँमा राखौं ।
- खाना पकाइसकेपछि आगो राम्रोसँग निभाऔं, खाना पकाउने ग्याँस प्रयोगकर्ताले चुलो, रेगुलेटर तथा लाइटर आदि समय समयमा निरीक्षण गरौं ।
- चुरोट, बिंडीको प्रयोग गरी जथाभावी फालेको देखेमा आगो राम्रोसँग निभाऔं ।
- पेट्रोल, डिजेल, ग्याँस स्टेसनको वरिपरि सलाई, लाइटर जस्ता सामग्रीको बेचबिखन तथा प्रयोग नगरौं ।
- आगलागीका घटना घटेमा महिला, बालबालिका, वृद्धवृद्धा तथा अशक्तहरुको सुरक्षामा विशेष ध्यान दिऔं ।
- आगलागीको घटना कुनै पनि बेला घट्न सक्ने भएको हुँदा पानीका स्रोतहरु चालु अवस्थामा राखौं ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म)

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

गणतन्त्रके जीवन: सिद्धान्त ओ व्यवहार

विचार

लेखनाथ न्यौपाने

गणतन्त्र स्थापनाके भावभूमि (२०५८–०६५), आजके धुमिल दृश्य ओ आगामी दिनमे यिहिनहे विश्वासमे बदलके लोकप्रिय बनैना का करेपरि ? कना विषयमे यहाँ सांकेतिक विमर्श करे खोजल बा । राजा वीरेन्द्रके वंशहत्या (१९ जेठ, २०५८) लगत्ते तत्कालीन नेकपा (माओवादी) परम्परागत राजतन्त्रके अन्त्य हुइल ओ गणतन्त्र स्थापनाके ढोका खुलल निष्कर्ष निकरले रहे । यी अनुसार २०५८ सावनमे नेपालके सब वाम पार्टीसँग सिलगुढी गोलमेच बैठक आयोजना करले रहे । वहाँ उ “हम्रे सब वाम शक्ति एकताबद्ध होके गणतन्त्रमे जैना निर्णय करि,” कना प्रस्ताव ढरले रहे मने सहमति बने नैसेक्ना ज्ञानेन्द्र शाहहे सत्ता हातमे लेना सहजिल हुइल उ परिवेश ओ घटना आज जिम्मेवार होके स्मरण करना जरुरी बा ।

ज्ञानेन्द्र शाह सक्कु सत्ता अपन हातमे लेना (माघ १७, २०६१) पाछे घरेलु शक्ति सन्तुलनमे गुणात्मक परिवर्तन देखा परल । एकओर राजा ओ राजनीतिक दल रहे, औरेओर माओवादीके दुईपक्षीय शक्ति सन्तुलन बदलके त्रिपक्षीय बनल । यम्ने एक शक्ति सेनासहितके राजा, औरे संवैधानिक राजतन्त्रके पक्षधर दल ओ तेसर शक्ति गणतन्त्रके लाग सशस्त्र संघर्षरत माओवादी । ठिक यिहे शक्ति सन्तुलनके पृष्ठभूमिमे नेकपा (माओवादी) के चुनवाङ (रुकुम) बैठक (असोज २०६२) से गणतन्त्रबारे करल निर्णय ऐतिहासिक महत्वके रहे । उ बैठकमे कहल रहे, “पार्टीसे सूत्रबद्ध करल अन्तरिम सरकार, संविधान सभाके निर्वाचन ओ लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके नारा अन्तर्राष्ट्रिय ओ घरेलु शक्ति सन्तुलनहे विचार कैके आघे सारल रहिके अग्रगामी राजनीतिक निकासके कार्यनीतिक नारा हो । कार्यनीतिसे रणनीतिके सेवा करना उद्देश्यमे स्पष्ट रहटि पार्टीसे लोकतान्त्रिक गणतन्त्रहे ना बुर्जुवा संसदीय गणतन्त्रके रूपमे लेहल बा ना सोझै नयाँ जनवादी गणतन्त्रके रूपमे । देशमे विद्यमान वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय ओ लैंगिक समस्याशे समाधान करना ढंगसे राज्यसत्तामे व्यापक पुनर्संरचनासहितके यी गणतन्त्रसे संक्रमणकालीन बहुदलीय गणतन्त्रके भूमिका खेल्ले बा । निश्चित फेन उ मेरिक गणतन्त्रहे प्रतिक्रियावादी वर्ग ओ ओकर पार्टीसे बुर्जुवा संसदीय गणतन्त्रमे बदल्न बल करना कलेसे सर्वहारा वर्गके हममार पार्टीसे उहिनहे नयाँ जनवादी गणतन्त्रमे बदल्न प्रयत्न करल बा । अब्बे भर संसद्वादी ओ क्रान्तिकारी दुनुके साझा दुस्मनके रूपमे पुरान सत्तामे निरंकुश राजतन्त्र हाबी हुइल ओरसे ओम्ने विरुद्ध सब शक्तिहे गोलबन्द कैके संयुक्त प्रहार करना यी नारासे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ले बा ।”

ज्ञानेन्द्रके प्रत्यक्ष शासन सुरु हुइलपाछे संसदीय दलप्रति जनताके विश्वास कमजोर डेखाइल किल नैहो, ज्ञानेन्द्र हदसम उहाँहुकनहे ललकारल एकओर रहे । अकओर सशस्त्र संघर्ष सञ्चालन करटिरहल माओवादी अमेरिकी प्रविधिसहितके फोर्टिफिकेसन तोरे नैसेकल फौजी रूपमे अल्झल परिस्थितिसे सात संसदीय दल ओ माओवादीबिचके सहकार्यके वातावरण बनल डेखाइठ । सहकार्यके निर्णयसँगे माओवादी फौजी आक्रमण तीव्र बनैना ओ माओवादीके अनौपचारिक संलग्नतासहित सात दलसे सडक आन्दोलनहे घनीभूत बनैना थप समझदारी विकास हुइल, यिहिनसे जनताहे कसिलो विश्वासमे संगठित करल । परिणाम नेपाली समाज गणतन्त्र स्थापनामे पुगल काल्हके पृष्ठभूमि हो । संविधान सभाके पहिल बैठक २०६५ साल जेठ १५ गते औपचारिक रूपमे राजतन्त्रके अन्त्य ओ गणतन्त्रके स्थापना करल इतिहास हो ।

गणतन्त्रात्मक प्रणाली संविधानमे समावेश हुइलपाछे गणतन्त्रके सैद्धान्तिक कार्यभार पूरा हुइल अथवा सैद्धान्तिक आधार निर्माण हुइल माने सेक्जाइह यद्यपि यम्ने कुछ गम्भीर प्रकृतिके त्रुटि बा । गणतन्त्रके सैद्धान्तिक अन्तर्वस्तुसे सुरुवातके चरणमे जनताहे विश्वस्त बनैटि सम्बोधन करल रहे मने यकर व्यावहारिक अन्तर्वस्तुसे जनताके जीवनहे सम्बोधन करे सेकल नैडेखाइठ, जेकर कारण पाछेक समय आशंका, अविश्वास ओ असन्तोषओर जनमत जाइ खोजल सन्दर्भहे अभिन बेवास्ता हुइल बा । अइसिके हेरलेसे गणतन्त्रात्मक प्रणाली कमजोर वा सफल हुइ नैसेकल जस्टे भाष्य निर्माण हम्रे अप्नही करटि बटि । यी परिस्थितिहे गणतन्त्रवादीसे गणतन्त्रप्रतिके घेरबन्दी कहे फेन सेक्जाइ । एकओर गणतन्त्रात्मक प्रणालीके व्यावहारिक अन्तर्वस्तु जनतासँग नैजोरलपाछे यकर अपनत्व जनता लेना बाट नैरहल । औरेओर गणतन्त्रपाछे बनेपरना संस्थागत संरचना नैबनलपाछे अइसिन संरचनामार्फत लेहेपरना गणतन्त्रके अपनत्व फेन स्वतः कमजोर हुइल आजके यथार्थता हो ।

गणतन्त्रके मुख्य नीति संविधान बनल । यी सकारात्मक पक्ष हो मने यी अन्तर्गतके औरे टमान नीति आजसम बने सेकल नैहो अथवा राजतन्त्रकालीन नीतिसे गणतन्त्रमे फेन निरन्तरता पाके गणतन्त्र अपन अन्तर्वस्तुमे उज्यालिन पैले नैहो । और खुलके कलेसे संरचनागत क्षेत्र जस्टे निजामती प्रशासन, सुरक्षा संगठन, अदालत, राजनीतिक पार्टी आदिके गणतान्त्रिकीकरण हुइल नैहो । गणतन्त्रके यी संरचनाभित्रे सामन्तवाद जियल किल नैहोके, अटेसमटेस आकारमे बा । गणतन्त्रात्मक प्रणालीमे जनताके सेवामे बनल संरचना व्यवहारतः सेवा मुख्य बनाके काम करल डेखेपरना मने आज फेन राजतन्त्रकालीन सोच ओ व्यवहार जारी बा । जस्टे उप्परओर चाकरी करना टरेओर लाठी चलैना । सेवा लेना जनतासे नमस्कार नैकैके, खुसी नैबनैना वा घुस नैखुवैलेसे काम नैहुइना । सब सुरक्षा संगठनमे उप्परके जिम्मामे रलसे फेन टरेक जिम्मा रहलहे हेप्ना प्रक्रिया ओस्टे बा । न्यायालयमे फेन ओस्टे समस्या डेखाइठ । शिक्षा ओ स्वास्थ्यके डरलग्ना महँगीसे जनता थिलथिल बनेपरना अवस्था गणतन्त्रसँग मेल खाइठ ? अइसिन हुइल कारण गणतन्त्र अनुसारके नीति बने नैसेक्ना हो । जस्टे प्रहरी ऐन, २०१२ कायम बा । शिक्षा ऐन, २०२८ आज फेन ओहे बा । निजामती ऐन, २०४९ आजसम सक्रिय बा । यी नीति पूरे बदलके यी अन्तर्गत चल्ना संरचना गणतन्त्रके अन्तर्वस्तुसँग मेल खैना मेरिक विकसित नैकरटसम गणतन्त्र खास काम करे नैसेकि । पाछेक उदाहरण नयाँ निजामती ऐनमार्फत व्यवस्था करे खोजल ‘कुलिङ पिरेड’ विरुद्ध मुख्य सचिवके नेतृत्वमे सचिवके जुलुस निकारल अवस्था बा ।

> संसद्से पाँच वर्षके लाग सरकार डेहे नैसेक्ना ओ बर्सैंपिच्छे सरकार बन्ना ओ भस्कैना जोन अभ्यासमे हमारे मस्त बटि, यकर उपचार खोजके कम्तीमे एक सरकार पाँच वर्ष चले पैना कानुनी व्यवस्था आवश्यक होसेकल बा। यकर लाग प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी राष्ट्रपति/प्रधानमन्त्री, सांसद संख्या घटाके कानुन निर्माणके किल जिम्मामे सीमित करना ओ मन्त्री कार्यकारीसे विज्ञ नागरिकसे छन्ना ठाउँमे जाइपरना अवस्था हुइल बा। अइसिन कैके एकओर कम्तीमे पाँचबर्से सरकार चल्ना ओ सरकारके मूल्यांकन करनासमेत सहजिल साथे निर्वाचन फेन एकडम कम खर्चहा हुइना ठाउँमे पुगे सेकि। चौठा, पार्टीके सदस्यता त्यागके राज्यके उप्परके निकायमे पुगल जस्टेः राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सभामुख, राष्ट्रिय सभाके अध्यक्षलगायत लोभके भारी बोकके पुनः राजनीतिमे फर्कना विषयके अन्त्य संविधानसे करना जरुरी बा। पाँचौं, हमार ओछ्यान, कार्यालय, भान्सासम जहाँटहैं बिचौलियाके निर्णायक उपस्थितिके विषय फगत समाचार किल नैहोके, हमार आँखीसे देखल नांगा चित्र हो। यिहे बिचौलियाके निर्णायक प्रभावमे परना हमार नेता ओ ओइनके स्वार्थमे हुइना नीतिगत निर्णयसे गणतन्त्रहे नैमजासँग थला परल बा।

राजनीतिक पार्टी, यकर संरचना ओ सञ्चालन प्रक्रिया ओस्टे सामन्ती चरित्रके बा । बर्सौं एक मनै एक पदमे टाँसल बा, हुकुम चलैटि बा । ओ पहिलके प्रणालीसे यी मजा कहिके घोक्रा फुलाके भाषण करना का अर्थ रहि ? आर्थिक स्रोत पारदर्शी नैहो मने जीवन भव्य बा । ओ राजाके विवाहके खर्च देखाके गणतन्त्र बलगर बनैना जुक्तिसे आब काम नैकरि । गणतन्त्र स्थापना करना ओ यिहिनहे जनताके दैनिक जीवनसम पुगैना जिम्मा बोकल पार्टी सबसे ढेर जिम्मेवार, पारदर्शी ओ जनमुखी हुइना आवश्यक बा । राजनीतिक पार्टीसे राज्यके उप्परके जिम्मामे पुगलसँग जोरल अनेकन घटनासे हमार राजनीति ओ राज्य कौन स्तरके फोहोरमे डुबल बा ओ गणतन्त्रहे बदनाम बनैले बा कना विषय सहजिले बुझे सेक्जाइ । गणतन्त्रहे व्यावहारिक रूप डेना हो ओ यिहिनहे जनताके विश्वास जित्ना हो कलेसे राजनीतिक पार्टीके गणतान्त्रिकीकरणसे काम सुरु करे परल ।

हमार गणतन्त्रके अर्थतन्त्र अत्रा जोखिमपूर्ण बा कि यकर ना नयाँ स्थायी नीति बा, ना टे संरचना । हमार अपन खास राष्ट्रिय उत्पादन नैहुइल कारण रुस–युक्रेन युद्ध होके हमारमे पिठाके मूल्य शतप्रतिशत वृद्धि हुइठ । हमार आन्तरिक आर्थिक स्रोतसे तलबभत्ता फेन धाने नैसेक्ना अवस्थासे औरे का करे सेकब ? बाह्य स्रोतमे भर परेपरना पुँजीगत खर्च एकडम न्यून हुइना हुइल, यी फेन समयमे खर्च करे नैसेक्ना हमार संरचना बा । मतलब ना हम्रे पारदर्शी बटि, ना टे इमानदार होके काम करना इच्छुक ।

नेताहुक्रे अपन जिल्ला ओ निर्वाचन क्षेत्रमे किल बजेट डारके अन्यत्रके जनता का बुझ्ना ? आधारभूत तहके जनताके लाग काम करना बनल कम्युनिस्ट पार्टीके अर्थमन्त्रीसे ततत् वर्गके जनता बसोबास करना सघन क्षेत्रमे पुनः वितरणके आर्थिक नीतिमे पेले नैचाहठ, जोन गणतन्त्रके खास अन्तर्वस्तु हो । गणतन्त्रके अर्थतन्त्र वा आर्थिक नीति ओ संरचनासे सुशासनके अन्तर्वस्तु बोकल रहे परठ, जोन जनताके सेवा ओ अनुभूतिमे मूर्त होके अभिव्यक्त रहठ । सास फेरटसे लेके सडकमे नेंगट वा कर तिरटसे लेके सेवा लेना कार्यालय पुगटसम सुशासनके व्यवहार डेखाइपरनठ मने अइसिन नैहो हुइल । हमार नीति, पहल ओ अभिव्यक्ति जनताप्रति पूर्ण उत्तरदायी नैबन्के काल्हे शासन ठिक कना भ्रममे जनमत व्यक्त हुइना खतरा गणतन्त्रके मुख्य चनौती बनल बा ।

गणतन्त्रहे बचाके ओ समृद्ध बनैना हमार यथाशीघ्र महत्वपूर्ण काम करेपरल बा । पहिल त्रुटिपूर्ण संविधानके कैयौं धारा विभेदके अगुवाइ करले बा । लैंगिक हिसाबसे नागरिकता प्राप्तिमे अत्रा भारी विभेद बा कि महिलाहे मनै नैस्विकरना तहके बा । जोन गणतन्त्रके मूल्यसँग पटक्के मेल नैखाइठ । संविधानमे समावेश धर्म निरपेक्षतासे जात व्यवस्थाहे बलगर मेरिक बोकल बा, यिहिनसे गणतन्त्रके पहिचानहे धुमिल बनाइल बा । संविधान विभेदकारी हुइलपाछे ऐन स्वतः विभेदकारी बनठ । संविधानमे रहल अइसिन त्रुटि सच्याके वा परिवर्तन कैके जातीय, लैंगिक, क्षेत्रीय विभेदसे मुक्त हमार गणतान्त्रिक समाज बनैना जरुरी बा । जे गणतन्त्रके खास विशेषता हो । दोसर, राजनीतिक पार्टी ओ राज्यके जिम्मामे के कत्रा समयके लाग जैना/बैठ्ना ? कना विषयके निक्र्योल करना ढिला हुइल बा । एकओर आजीवन एक मनै पार्टीके पद ओगटल देखके जोन जोगी अइलेसे फेन काने चिरल कना उखान चरितार्थ हुइल बा । एक व्यक्ति कैचो सांसद, मन्त्री वा प्रधानमन्त्री हुइना हो ? यिहिनहे संविधानसे किटानी कैके आघे बह्रैना आब विलम्ब करना नैहो ।

तेसर, संसद्से पाँच वर्षके लाग सरकार डेहे नैसेक्ना ओ बर्सैंपिच्छे सरकार बन्ना ओ भस्कैना जोन अभ्यासमे हमारे मस्त बटि, यकर उपचार खोजके कम्तीमे एक सरकार पाँच वर्ष चले पैना कानुनी व्यवस्था आवश्यक होसेकल बा । यकर लाग प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी राष्ट्रपति/प्रधानमन्त्री, सांसद संख्या घटाके कानुन निर्माणके किल जिम्मामे सीमित करना ओ मन्त्री कार्यकारीसे विज्ञ नागरिकसे छन्ना ठाउँमे जाइपरना अवस्था हुइल बा । अइसिन कैके एकओर कम्तीमे पाँचबर्से सरकार चल्ना ओ सरकारके मूल्यांकन करनासमेत सहजिल साथे निर्वाचन फेन एकडम कम खर्चहा हुइना ठाउँमे पुगे सेकि । चौठा, पार्टीके सदस्यता त्यागके राज्यके उप्परके निकायमे पुगल जस्टेः राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सभामुख, राष्ट्रिय सभाके अध्यक्षलगायत लोभके भारी बोकके पुनः राजनीतिमे फर्कना (बाँकी ३ पेजमे)

अण्डाके मूल्य बह्रलपाछे किसानहे राहत

चितवन, १७ जेठ । लम्मा समयसे लागत मूल्यसे सस्तोमे अण्डा बिक्री करटि आइल किसानसे मूल्य बह्रलसँगे राहत महसुस करले बटैं । उच्च गर्मीके कारण उत्पादन घट्के माग बह्रल मूल्य बह्रल हो ।

नेपाल लेयर्स कुखुरा पालक संघ अण्डाके समर्थन मूल्य तोक्टि आइल बा । शनिच्चरसे लागू हुइनामेरिक एक्सएल अण्डा प्रतिक्रेट (३० वटा) के रू ४८० फार्म मूल्य तोकल बा । अस्टेक भारी अण्डा रू ४६५ ओ मझौला रू ४३५ तोकल बा ।

यीआघे से प्रतिक्रेटमे रू १५ बह्रल हो । यी हिसाबसे किसान प्रतिगोटा अण्डाके मूल्य १५ रुपैंया ५ पैसा प्राप्त करले बा । संघके अध्यक्ष विनोद पोखरेलके अनुसार किसानके लागत मूल्य प्रतिगोटा १६ रुपैंया ५६ पैसा परठ । उहाँ कलैं, “बह्रल समेत किसानसे लागत मूल्य पाइ सेकट नैहो । टबफेन मूल्य वृद्धि होके राहत महसुस करले बा ।”

पोखरेल ढेर गर्मीके कारण अण्डा उत्पादनमे २५ प्रतिशतसम घटल बटलैं । गर्मी मौसममे कुखुरा (बाँकी ३ पेजमे)

छिमेकी उपभोक्ताहरूका लागि काठ/दाउरा विक्रीविरतण सम्बन्धी १० दिने सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित: २०८२/२/१६ गते

यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट आ.व. २०८०/२०८१ र २०८१/२०८२ मा कटान भई घाटगद्दीमा सकंलन भइरहेको समूहको घाटगद्दी भइरहेको साल, अस्ना, काठ/दाउरा कैलाली जिल्लाभित्रका छिमेकी सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरू, संघसंस्थाहरूलाई, घरायसी प्रयोजनका लागि काठ आवश्यक भएमा सोको लागि निवेदन पेस गर्न यो १० दिने सूचना प्रकाशित गरिएको छ। यो सूचनाको अवधिभित्र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा निवेदन पेश गर्न हुन जानकारी लागि अनुरोध गरिन्छ।

श्री नवकिरण सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
महोन्याल गाउँपालिका वडा नं. ७, कचाली, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ कित्ता नं. ६३२ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सविनादेवी ओझा फुलाराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः शंकरदेव ऐर
पश्चिमः पार्वती विष्ट कार्की
उत्तरः सडक
दक्षिणः टिका कामी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

“लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”

जरुरी टेलिफोनके

प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५२२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

समान बजटके माग कैटी ज्ञापनपत्र

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १७ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभामे रहल महिला सांसदहुक्रे मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाहहे आगामी आर्थिक बरसके बजेट लैंगिक समानता ओ महिला सशक्तीकरणहे प्राथमिकतामे राखके लन्ना माग करले बटैं । मुख्यमन्त्री शाहहे शुकके एक ज्ञापन पत्र बुझैटी महिला समन्वय समितिसे विगतके जैसिन विभेदपूर्ण बजेट नैलन्ना सुझाव डेहल रहे ।

ज्ञापन पत्र बुझैना क्रममे समितिके संयोजक नेकपा एमाले संसदीय दलके उपनेता सन्तोष शर्मा थापा ५३ सदस्यीय प्रदेशसभामे २१ जाने समानुपातिकसे निर्वाचित हुइल उल्लेख कैटी सक्कु जनप्रतिनिधिप्रति समान व्यवहार हुइ पर्नामे जोड डेहल रही ।

'यहाँ महिला सांसदके बात किल नैहो हम्रे २१ जाने समानुपातिक सांसद बटी हमार दलके नेता पूर्व मुख्यमन्त्रीज्यू फेन समानुपातिक हुइट,' उहाँ कहली, 'हम्रे सक्कु जनहनहे अक्के व्यवहार हुइ परल, समान बजेट हुइ परल ।'

समितिके ज्ञापन पत्रमे लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण, एकल महिला, अपांगता रहल महिला, दलित महिला लगायत विशेष अवस्थाके महिलाहे लक्षित कार्यक्रमके लाग छुट्टै बजेट व्यवस्था कैना माग करल बा । महिला लक्षित कार्यक्रमके बजेट वृद्धि, समावेशी नीति निर्माण, स्वरोजगार, उद्यमशीलता, सीप विकास ओ लगानी अनुदानके कार्यक्रममे महिलाके सहभागिता बह्रैना प्रस्ताव फेन समेटल बा ।

ओस्टके, प्रत्येक स्थानीय तहमे 'महिला सहायता केन्द्र' स्थापना, मातृ स्वास्थ्य तथा प्रजनन सेवाके पहुँच विस्तार ओ मोबाइल स्वास्थ्य सेवा सञ्चालन कैना प्रस्ताव फेन समितिसे आघे सारल बा । किशोरी स्वास्थ्य, सुरक्षित महिनावारी, पोषण, आत्मरक्षा तालिम, बालविवाह न्यूनीकरणलगायतके विषयमे फेन बजेट विनियोजन करे पर्ना रहल बा ।

महिला नेतृत्वमे आधारित सहकारी संस्था, घरेलु उत्पादनके बजारीकरण, 'एक महिला एक उद्यम' कार्यक्रम ओ लैंगिक संवेदनशील पूर्वाधारमे लगानी बह्रैना सुझाव डेहल बा । जलवायु परिवर्तन ओ विपद् न्यूनीकरणके सवालमे महिला नेतृत्वके समावेश ओ नीति निर्माणमे समानुपातिक सहभागिताके माग फेन समितिसे राखल बा ।

महिला समितिके संयोजक थापा समितिसे उठाइल कुछ विषय नीति तथा कार्यक्रममे समेटल कहटी मुख्यमन्त्री शाहहे धन्यवाद डेली । ज्ञापन पत्र बुझैना कार्यक्रममे एमाले संसदीय दलके नेता राजेन्द्रसिंह रावल ओ माओवादी केन्द्रके उपनेता तथा सार्वजनिक लेखा समितिका अक्कलबहादुर रावलके फेन उपस्थिति रहल रहे ।

मुख्यमन्त्री शाह लैंगिक सवालउपर गम्भीर चासो रहल कहटी बजेट निर्माण प्रक्रियामे महिलाका आवाज ओ मागहे उचित स्थान डेना बटैलै । 'हम्रे सक्कु जाने एक हुइटी, सरकारके दृष्टिकोण समानुपातिक ओ प्रत्यक्ष निर्वाचित जनप्रतिनिधिप्रति समान बटै,' शाह कहलै, 'समान व्यवहारके आधारमे आघे बह्रब ।'

एमाले संसदीय दलके उपनेता थापासहित कांग्रेस सचेतक गीत चौधरी, विदेशधिकर समिति सभापति तुलसी देवकोटा, कांग्रेसके जुना दानी ओ ललिता सुनार, माओवादी केन्द्रके पूर्व मन्त्री लक्ष्मी विक ओ जानकी पौडेल उपस्थित रहिट । करिब सक्कु जैसिन महिला सांसदके हस्ताक्षरसहितके विज्ञप्ति मुख्यमन्त्रीहे बुझाइल हो ।

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजामे स्वास्थ्य सामग्री लुटल घटनाप्रति राष्ट्रसंघसे दुःख व्यक्त

काठमाडौं, १७ जेठ । संयुक्त राष्ट्र संघ शुकके रोज गाजाके प्यालेस्टिनी क्षेत्रके गोदाममे आक्रमण कैक भारी मात्रामे चिकित्सा सामग्री चोरी करल घटनाप्रति दुःख व्यक्त करले बा ।

आक्रमणकारीके समूह अस्पतालके गोदाममे आक्रमण कैके चारी मात्रामे चिकित्सा उपकरण, आपूर्ति, औषधी ओ पोषणजन्य सामग्रीके नष्ट कैके संयुक्त राष्ट्रसंघके महासचिव एन्टोनियो गुटेरेसके प्रवक्ता स्टेफन डुजारिक बटैले बटैं ।

चोरी करल सहायता सामग्री युद्धग्रस्त गाजामे एक दिन आघे आइल उहाँ बटैलैं । गाजा अवस्था और बिगरके सार्वजनिक व्यवस्था ओ सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होके गाजामे लुटपाटके घटना बह्रल समेत उहाँ बटैलैं । उहाँ कलैं, "यी सशस्त्र मनैन्से हुइल एक आक्रमण रहे ।"

लम्मा नाकाबन्दीपाछे इजरायलसे प्यालेस्टिनी क्षेत्रमे सहयोगके अनुमति डेहे लागल बा । नाकाबन्दीसे खाद्यान्न ओ औषधिके अभाव निम्त्याइलपाछे अभिनसम उपलब्ध सहायता गाजाके आवश्यकताके 'समुद्रमे एक थोपा' किल रहल उहाँ बटैलैं ।

संयुक्त राष्ट्रसंघके मानवीय निका शुकके रोज शतप्रतिशत जनसंख्या अनिकालके जोखिममे रहल चेतावनी डेले रहे ।

गाजाके स्वास्थ्य मन्त्रालयके तथ्यांकअनुसार यी क्षेत्रमे इजरायली आक्रमणमे परके अभिनसम ५४ हजार ३२१ जहनके ज्यान गैल बा । युद्धसे गाजाहे ध्वस्त पारल बा ओ मरनामे अधिकांश महिला बालबालिकासहित सर्वसाधारण रहल बटैं ।

यी क्षेत्रके भारी भाग भग्नावशेषमे परिणत करल बा, अस्पताल, विद्यालय, आवासीय क्षेत्र ओ सडक ओ जलमार्गके आधारभूत पूर्वाधार नष्ट करल बा । एएफपीके अनुसार सन् २०२३ अक्टोबर–७ मे हमाससे करल आक्रमणाके प्रतिक्रियामे इजरायल अपन आक्रमण सुरु करले रहे ।

डुजारिकसे बिफे, राष्ट्रसंघ ओ मानवीय साझेदारसे केरेम शालोमके सीमासे पाँच ठो देइर अल–बलाह अभियान अस्पतालके लाग चिकित्सा सामग्री बोकल ट्रक पठाइल ओ अन्य ६० ठो ट्रक सीमासे फरके परल बटैले बटैं ।

पानी परे लगटी...

यीमध्ये सात बरसमे १२ करोड ९८ लाख २० हजार रुपैयाँ 'फ्रिज' हुइल बा । विनियोजित बजेटमध्ये चार करोड रुपैयाँ भर कोषमे राखल बा ।

सुदूरपश्चिम सरकारसे आर्थिक बरस २०७५/०७६ मे विपद्के लाग तीन करोड ७२ लाख ५० हजार विनियोजन करलमे एक करोडके कोष स्थापना करल रहे । उ बाहेक दुई लाख किल खर्च हुइल कलेसे दुई करोड २० लाख ५० हजार रुपैयाँ खातामे रहिगैल रहे ।

ओस्टके, आव २०७६/०७७ मे पाँच करोड ८८ लाख विनियोजन हुइबर ८० लाख किल खर्च हुइल तथ्यांक रहल बा । उ आवमे फेन एक करोड कोषमे राखल रहे ।

आव २०७७/०७८ मे तीन करोड १९ लाख ८० हजार विनियोजन हुइलमे १८ लाख रुपैयाँ किल खर्च हुइल रहे । जबकि उहे बरस बाढपहिरोसे घरबास गुमाइल बझाङके बासिन्दा अब्बेसम पुनर्निर्माणके लाग रकम पाइल नैहुइट ।

प्रदेश सरकारके अनुसार २०७८/०७९ मे दुई करोड ४८ लाख रुपैयाँ विनियोजन हुइलमे १० लाख रुपैयाँ किल खर्च हुइल बा । ओस्टके, आव २०७९/०८० मे चार करोड ३५ लाख रुपैयाँ विनियोजन हुइलमे दुई करोड १५ लाख ६० हजार रुपैयाँ किल खर्च हुइल डेखजाइठ् । गैल आव २०८०/०८१ मे फेन ६ करोड ३७ लाख ५० हजार रुपैयाँ छुट्याइलमे चार करोड ३१ लाख ५० हजार रुपैयाँ किल खर्च हुइल बा ।

विपद्हे हेर्ना आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालयके सूचना अधिकारी दीपेन्द्र सिंह विपद्के लाग हरेक बरस बजेट विनियोजन हुइना करलेसे फेन आधासे ढेर रकम 'फ्रिज' हुइना करल बटैठै । "विनियोजित बजेटमध्ये सबसे ढेर सामान खरीदमे खर्च हुइ पर्ना हो, मने कुछ जटिलतासे सामान खरीदके बजेट 'फ्रिज' हुइठ्," सिंह कहलै, "यी बरस फेन विपद्के लाग छुट्याइल ५० लाख रुपैयाँ 'फ्रिज' हुइना जैसिन बा । अब्बेसम कुछ खर्च हुइ सेकल नैहो ।"

कैसिन बा पूर्व तयारी ?

राष्ट्रिय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरणके तथ्यांक अनुसार पाछेक डेढ दशकमे विपद्से चार हजार २७३ जनहनके ज्यान गैल बा कलेसे एक हजार २७ जाने हेराइल बटै । विपद्मे परके पाँच हजार ८६० जाने घाहिल हुइल बटै । यी अवधिमे २० खर्ब ४१ अर्ब ६६ लाख दुई हजार ४१५ रुपैयाँ बराबरके क्षति हुइल बा ।

हरेक बरस मनसुनके अवधिमे जनधनके क्षति हुइना करल रलेसे फेन उहीसे बच्ना पूर्व तयारी भर खासै करल नैडेखजाइठ् । संघीय ओ प्रदेश सरकारसे विपद्पाछे किल उद्धार ओ राहतमे ध्यान डेना करल बटै । स्थानीय सरकारसँग फेन यी बारे ठोस योजना नैबनल हो ।

एकदमजस्टे बाढ ओ डुबानके चपेटामे पर्ना भजनी नगरपालिकामे विपद् फोकल पर्सन विष्णु न्यौपाने यी बरस पूर्व तयारीके लाग लडिया तटबन्ध निर्माण ओ जालीमे माटी भर्ना काम करटी रहल बटैठै । यीसँगे बाढबारे स्थानीय बासिन्दाहे सचेत करैना दुईठो साइरन सञ्चालनमे लानल न्यौपाने बटैठै । "चारठो साइरन रही कलेसे पूरै पालिका 'कभर' हुइ । अब्बे हमारठन दुईठो किल बा," उहाँ कहलै ।

ओस्टके, आरडीएन संस्थासँग सहकार्य कैके ४५ ठो उच्च घर निर्माण हुइटी रहल उहाँ बटैठै । बाढ ओ डुबानके बेलामे घरमे बैठे सेक्ना अवस्था नैहो, ओहेमारे जमीनके सतहसे उच्च हुइनामेरके घर निर्माण करे लागल उहाँके कहाइ रहल बा ।

गैल बरस उद्धार करे जाइबर तीन किशोरीके ज्यान गैल पुनर्वासमे फेन इ बरस पूर्व तयारी सुरु करल पुनर्वास नगरपालिकाके उपमेयर भुलिया राना बटैली । बाढ ओ डुबानसे कैसिक सुरक्षित हुइना कहिके सचेतनामूलक कार्यक्रम करटी रहल उहाँ बटैली । "बाढ प्रभावित क्षेत्रके नक्शांकन करले बटी । जौन नक्शांकनसे कत्रा समुदाय उच्च जोखिममे बटै कना पत्ता लगाके सुरक्षित स्थानमे सर्ना, उच्च घर, विद्यालय सार्वजनिक भवनमे व्यवस्थापन कैना तयारी करले बटी ।"

अण्डाके मूल्य...

कम दाना खैना ओ उत्पादन घटल उहाँ बटैलैं । यीसँगे टमान मेरिक रोग देखा परना करठ ।

पाँच महिनाआघे दैनिक ४० हजार कार्टुन अण्डा उत्पादन हुइना करलमे अब्बे २५ हजार हाराहारीमे पुगल बा । गर्मीसँगे दानाके मूल्य बह्रल ओ अण्डाके मूल्य कम होके ढेर किसान कुखुरा बेच्लै ओ नयाँ चल्ला ढरे नैसेकल उहाँ बटैलैं ।

अण्डा डेना कुखुरा घटल ओ माग बह्रके मूल्य क्रमशः बह्रल डेखाइठ । नेपालमे अण्डा उत्पादन करटि आइल ७५ प्रतिशत हाराहारी किसान विस्थापित होसेकल बा । भारी फार्म खुलल ओरसे मागहे धाने सेकल पोखरेल बटैलैं ।

गर्मी महिना सुरु हुइलसंगे
आगलागीके घटना बह्रे सेकठ ।
जथाभावी आगी नसुँगाई ।
लुक्री लग्नासे बची ।

गणतन्त्रके जीवन...

विषयके अन्त्य संविधानसे करना जरुरी बा । पाँचौं, हमार ओछ्यान, कार्यालय, भान्सासम जहाँटहैं बिचौलियाके निर्णायक उपस्थितिके विषय फगत समाचार किल नैहोके, हमार आँखीसे देखल नांगा चित्र हो । यिहे बिचौलियाके निर्णायक प्रभावमे परना हमार नेता ओ ओइनके स्वार्थमे हुइना नीतिगत निर्णयसे गणतन्त्रहे नैमजासँग थला परल बा । यकर एक किल उपचार कलेक जनताप्रति जिम्मेवार, नैतिक प्रश्नमे खरो ढंगसे उत्रे सेक्ना राजनीति संस्कृति निर्माण हो । यी काम कानुनी टे हो सँगे कार्यकर्ता ओ जनतासे बारम्बार प्रश्न करना, आलोचना करना ओ अपन पार्टीके रलेसे फेन भ्रष्ट नेताके गीत नैगैना कार्य संस्कृतिमे विकसित हुइ सेके परठ । यकर लाग राजनीति कैके जिन्दगी गज्जबसे चलैठु वा नेताके गीत गाके उप्पर उप्पर पुग्ना ओ पैसा कमैना कना गलत सोच ओ व्यवहारसे मुक्त कार्यकर्ता हुइल पार्टीनिर्माणमे समाज विकसित हुइना हो ।

साभार: गारखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।– अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिमके समृद्धिके ढोका खोल्टी महाकाली करिडोर

कञ्चनपुर, १७ जेठ । दार्चुलाके मालिकार्जुन गाउँपालिका–५ डाडाकोटके नरेश अवस्थी नेपाल, भारत ओ चीनसँगके त्रिदेशीय नाका तिक्तरसम्म महाकाली करिडोर बन्ना हुइलपाछे चीन ओ भारतसँग व्यापारके ढोका खुल्ना ओ रोजगारीके ढेर अवसर सिर्जना हुइनामे आशावादी बटै ।

हालसम छिमेकी मुलकसँग व्यापारिक नाका नैहुइल कारण फेन महाकाली करिडोर त्रिदेशीय व्यापारिक नाका बन्ना ओ सुदूरपश्चिम व्यापारिक हब बन्ना उहाँके बुझाइ बा । लम्मा समय शिक्षण पेशामे लागल उहाँ अब्बे व्यवसायिक रूपमे कृषिमे लागल बटै । मने भारतसँगके सहज कनेक्टिभिटि नैहोके सुदूरपश्चिम आर्थिक लाभ लेहे नैसेकल उहाँहुक्रनके तर्क रहल बा । "महाकाली करिडोर निमार्णपाछे सुदूरपश्चिम किल नैहोके मुलुकके आर्थिक विकासमे कोसेढुंगा सावित हुइना अपेक्षा करले बटी ।" उहाँ कहलै, "सुदूरपश्चिम आर्थिक गतिविधिमे न्युन बा, हमार लाग सम्भावना कहलक महाकाली करिडोर हो इहीहे राज्यसे प्राथमिकताके साथ आघे बह्राए ।" दार्चुलाके तिक्तरसे कञ्चनपुरके ब्रह्मदेवसम महाकाली लडियाके किनारे किनार निमार्ण हुइना करिडोरसे यहाँके सामाजिक, आर्थिक क्षेत्रमे महत्वपूर्ण टेवा पुग्ना उहाँके कहाइ बा ।

भारतके सबसे बरवार ओ महत्वपूर्ण, बरवार आर्थिक गतिविधि ओ जनसंख्या रहल अनि औद्योगिक करिडोर रहल सहरसँग जोरले बा । ओत्रे नैहोके, उत्तरओर चीनके सीमासम जैना फेन सबसे सरल पहुँच हुइना बा ।

महाकाली करिडोर निर्माण हुइलेसे कञ्चनपुरसे दार्चुलासम महाकाली किनारैकिनार छोट दूरीमे यात्रा करे सेकजैना यहाँके स्थानीयके अपेक्षा बा । करिडोरसे महाकाली किनारके बस्तीहे सडक सञ्जालमे जोर्ना ओ लम्मा दुरीके यात्रा करे पर्ना बाध्यता हट्ना दार्चुलाके मालिकार्जून गाउँपालिका–५ के वडा अध्यक्ष मदन चन्द बटैलै । "करिडोर सञ्चालनमे आइट कलेसे टे यहाँके जनताहे ढेर फाईदा हुइट ।" चन्द कहलै, "यहाँसे कञ्चनपुर घुमाउरो डगरा होके आवतजावत करे पर्ना बाध्यतासे मुक्त हुइट ।" उहाँ महाकाली करिडोर सञ्चालनमे अइलेसे सुदूर पहाडके जनताके आर्थिक अवस्थासमेतमे सुधार अइना बटैलै । "छोट दुरीमे आवतजावत हुइना हुइल तिक्तरनाका सञ्चालनमे अइलेसे आर्थिक गतिविधि फेन बह्री ।" उहाँ कहलै, "सरकारसे हाली काम सम्पन्न कैना मेरके बजेट विनियोजन करे परल ।"

ब्रह्मदेवसे महाकाली किनार हुइटी डडेल्धुरा, बैतडी ओ दार्चुला जिल्लाके तिक्तरनाकासम यातायातके सहज पहुँच विस्तार कैके सुदुरपश्चिम प्रदेश तथा मुलुकके विकासमे कोसे ढुंगा सावित हुइना अपेक्षा दार्चुलाके लेकम गाउँपालिकाके स्थानीय कोमल विष्ट बटैलै । "करिडोर निमार्णपाछे आर्थिक हिसाबसे सुदूरपश्चिमहे फाइदा हुइ इहीसे धार्मीक पर्यटनके सम्भावना फेन बह्राइ ।" विष्ट कहलै, "सजह अवागमन ओ आर्थिक गतिविधि बह्रैना करिडोर प्रमुख आधार हो ।" करिडोर बनलपाछे कञ्चनपुरके ब्रह्मदेव, डडेल्धुरा जिल्लाके जोगबुढा, बैतडी जिल्लाके पन्चेश्वर, चमेलिया, दार्चुला जिल्लाके लाली, उकू, खलंगा, धारी, हिकिला, हुती, धौलाकोट ओ सुन्सेरा हुइटी तिक्तर नाकासम सडक निर्माण कैके उक्त क्षेत्रके आर्थिक सामाजिक साँस्कृतिक पर्यटकीय साथे शैक्षिक विकासमे योगदान पुगैल बा ।

महाकाली करिडोर अन्तर्गत महेन्द्रनगरमे सिद्धवैजनाथ, डडेल्धुरामा परशुरामधाम, बैतडीमे त्रिपुरा सुन्दरी, मेलौली भगवती ओ निङ्लाशैनीजैसिन प्रसिद्ध धार्मीकस्थल बावै । ओस्टके दार्चुलामे राष्ट्रके चौथो धामके रूपमे परिचित मालिकार्जुन धामजैसिन प्रसिद्ध धार्मीकस्थल रहल ओरसे करिडोरसे धार्मीक पर्यटनसमेतमे टेवा पुग्ना पर्यटन व्यवसायी बटैठै । "महाकाली करिडोर बन्लेसे किल सुदूरके विकासके ढोका खुलजाइ ।" यहाँका पर्यटन व्यवसायि जगदीश चन्द्र भट्ट कहलै, "इहीसे धार्मीक पर्यटनसमेतहे फाइदा पुगी औरे ओ उत्तर ओर चीनसँग फेन व्यापारके ढोका खुली ।" उहाँ आभिन फेन भारतसे यहाँके प्रसिद्ध धाममा भारतीय धार्मीक पर्यटन अइना करल बटैटी करिडोरसे आवागमनमे सहज हुइलपाछे यहाँ धार्मीक पर्यटन फष्टैना बटैलै ।

कञ्चनपुरके ब्रह्मदेवबाट डडेल्धुरा, बैतडी ओ दार्चुलाके तिक्तरसम सडक ३३४ किलोमिटर सडक महाकाली लोकमार्ग आयोजना कार्यालय ओ ७९ किलोमिटर सडक नेपाली सेनासे निमार्ण करटी रहल महाकाली करीडोर सडक (ब्रह्मदेव–झुलाघाट–दाचुला–तिंकरसडक) योजना कार्यालय जनैले बा । कार्यालयके सूचना अधिकारी रामचन्द्र जैशी हालसम करिडोरके २३० किलोमिटर ट्र्याक खुलल जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार आभिन ५५ किलोमिटर ट्र्याक खोल्ना बाँकी रहल बा । करिडोर अन्तर्गत कञ्चनपुरमे ११ किलोमिटर, डडेल्धुरामे ५८ किमी, बैतडीमे १४४ किमी ओ दार्चुलामे १२१ किमी सडक निर्माण हुइना बा । जौन मध्ये कञ्चनपुरमे ११ किमी ट्रयाक खुलसेकल बा कलेसे डडेल्धुरामे २८ किमी ट्रयाक खुलल् बा । ओस्टके बैतडीमे ११४ किमी ओ दार्चुलामे ७७ किमी ट्रयाक खुलल् बा ।

योजनाके लाग चालु आर्थिक बरसमे रु ४१ करोड ५० लाख बजेट विनियोजन हुइल सूचना अधिकारी जोशी बटैलै । "बजेट अभावके कारण निर्माण व्यवसायिहे भुक्तानी डेना समेत समस्या हुइल बा, चालु आर्थिक बरसमे आइल बजेटमध्ये १७ करोड गत आवके भुक्तानी दायित्व रहे ।" उहाँ कहलै, "न्युन बजेट ओ रुख्वा कटानलगायत प्रक्रियागत अल्झनके कारण निमार्णमे ढिलाइ हुइल बा ।" महाकाली करिडोरसँगे कञ्चनपुरके महाकाली लडियामे बनल चार लेनके पक्की पुल ओ दोधारा चाँदनी सुख्खा बन्दरगाह निमार्णपाछे मुलुकके समृद्धि हुइना अपेक्षा व्यवसायिहुक्रनके रहल बा ।

सुदुरपश्चिम प्रदेशके चार जिल्ला कन्चनपुर, डडेल्धुरा, बैतडी ओ दार्चुला जिल्ला जोर्ना नेपाल ओ चीनके ताक्लाकोटके सीमामे रहल पिल्लर नं १ सम निर्माण हुइना यी सडक योजनासे उक्त क्षेत्रमे बसोबास कैना करिव एक करोड जनता प्रत्यक्ष लाभान्वित हुइना सरकारके अपेक्षा रहल बा । त्रिदेशिय नाका हुइल कारण व्यापारिक महत्व ढेर रहल ओ धार्मिक हिसाबसे कैलाश मानसरोवर भ्रमणके लाग छोट डगराके रुपमे प्रयोग हुइना बा । निमार्ण सम्पन्न पाछे यहाँके आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक, पर्यटकीय साथे शैक्षिक विकासमे टेवा पुग्ना बा ।

१५ दिनआघे मनसुन भित्रल

काठमाडौं, १७ जेठ । नेपालमे सरदर मितिसे १५ दिन हलि मनसुन प्रवेश हुइल बा । जल तथा मौसम विज्ञान विभागसे शुकके रोज विज्ञप्ति जारी कैके यी वर्षके मनसुन बिफे रातसे नेपालके पूर्वसे प्रवेश कैके कोशी प्रदेशके अधिकांश भू–भागमे विस्तार हुइल जनैले बा ।

मनसुनके कारण कोशी प्रदेशके अधिकांश मौसम केन्द्रमे हल्कासे मध्यम मनसुनी वर्षा हुइल विभाग जनैले बा । विभागमे महानिर्देशक कमलराम जोशी नेपालमे मनसुन भित्रना सरदर मिति जुन १३ रहलेसे फेन मे २९ मे नेपालमे मनसुन भित्रल जनाकारी डेलैं ।

"नेपालके अन्य भू–आगमे मनसुनके प्रभाव विस्तार हुइना अभिन कुछ समयमे लग्ना डेखाइठ । हाल देशके बा'की भू–आगमे भर पश्चिमी वायू ओ स्थानीय वायुके प्रभाव यथावत् डेखाइठ," उहाँ कलैं ।

मौसम पूर्वानुमान महाशाखा मौसमके अवस्थाके निरन्तर अनुगमन करल बा ओ ओहेअनुसार नियमित रुपमे मौसम सूचना अद्यावधिक करटि जैना जोशी जानकारी डेलैं ।

विभागसे आगामी मनसुनमे सरदरसे ढेर वर्षा हुइना प्रक्षेपण करल बा । विभाग शुकके रोज सर्वाजनिक करल आगामी मनसुनके हावा पानी आकलन अनुसार यिहे जेठ १८ से असोज १४ समके चार महिनाके मनसुन ऋतुमे देशके अधिकांश स्थानमे सरदरसे ढेर वर्षा हुइना सम्भावना रहल जानकारी डेले बा ।

"यी ऋतुमे देशके अधिकांश स्थानमे सरदरसे ढेर वर्षा हुइना सम्भावना बा । कर्णाली प्रदेशके पूर्वी भू–भाग, लुम्बिनी प्रदेशके उत्तरी भू–भाग ओ गण्डकी प्रदेशके अधिकांश भू–भागमे सरदरसे ढेर वर्षा हुइना संभावना ५५ प्रतिशतसे ६५ प्रतिशत बा," उहाँ कलैं, "सुदूरपश्चिम प्रदेशके दक्षिणी भू–भाग, लुम्बिनी प्रदेशके पश्चिमी भू–भाग, गण्डकी प्रदेशके उत्तर–पूर्वी भू–भाग, बागमती ओ कोशी प्रदेशके उत्तरी भू–भागमे सरदरसे ढेर वर्षा हुइना सम्भावना ४५ प्रतिशतसे ५५ प्रतिशत बा ।"

अस्टेक मधेश प्रदेशके पूर्वी तथा दक्षिणी भू–भागमे सरदर वर्षा हुइना सम्भावना ३५ प्रतिशतसे ४५ प्रतिशत बा कलेसे देशके बाँकी भू–भागमे सरदरसे वर्षा हुइना सम्भावना ३५ प्रतिशतसे ४५ प्रतिशत रहल जोशी बटैलैं ।

मनसुनजन्य विपद्बाट बच्ने उपाय

- आपतकालीन अवस्थामा चाहिने सामग्री सुरक्षित रुपमा भण्डारण गरौं,
- बाढीको सम्भावना भएको बेला सतर्क बनौं र सुरक्षित स्थानमा सरौं,
- पहिरो सम्भावित क्षेत्रमा सकेसम्म यात्रा नगरौं,
- घर बनाउँदा सुरक्षित स्थान, संरचना र प्रविधिको प्रयोग गरौं,
- आपतकालीन झोला (औषधि, पानी, टर्च, सञ्चारका साधनसहित) तयार राखौं,
- विपद् पूर्वतयारीसम्बन्धी तालिममा सहभागी बनौं,
- विपद्पछि भ्रम र डर नफैलाऔं, आधिकारिक सूचना मात्र अनुसरण गरौं,
- सामूहिक सहयोग, सजगता र तयारीले मात्र विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

अनिवार्य नगद मौज्दातके सीमा बह्रल

काठमाडौं, १७ जेठ । बैंकसे अनिवार्य नगद मौज्दातबापत ढरटि रहल रकमके सीमा बह्रल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकसे बैंकहुकनहे अनिवार्य नगद मौज्दातबापत ढरटि आइल रकमके सीमा अँट्वारसे लागु हुइना मेरिक बह्राइल हो । एकीकृत निर्देशन, २०८१ मे संशोधन करटि राष्ट्र बैंकसे बैंक तथा वित्तीय संस्थासे ढरेपरना अनिवार्य नगद मौज्दातके दैनिक ९० प्रतिशत कायम करेपरना व्यवस्था करल हो ।

राष्ट्र बैंकसे इजाजतपत्र प्राप्त 'क', 'ख' ओ 'ग' वर्गके संस्था कुल निक्षेप दायित्वके चार प्रतिशत अनिवार्य नगद मौज्दातबापत राष्ट्र बैंकमे ढरेपरना रहठ । ओहे व्यवस्थाबमोजिम कायम करेपरना अनिवार्य नगद मौज्दातबापत बैंकसे दैनिक राष्ट्र बैंकमे न्यूनतम ९० प्रतिशत ढरेपरना रहठ ।

मिनी ट्रकके ठक्करसे वृद्धके मृत्यु

बैतडी, १७ जेठ । बैतडीके सुर्नया गाउँपालिका–५, बिष्टपालीमे मिनी ट्रकके ठक्करसे पैदल नेंगटिरहल एक वृद्धके मृत्यु हुइल बा ।

शुकके साँझ धनगढीसे बिष्टपालीओर टैटि रहल सुपप्र ०१–००१ क १८१३ नम्बरके मिनी टाटा ट्रक सतबाझ–श्रीभावर भित्री सडक खण्डमे ब्याक करना क्रममे ओहे स्थानके ८१ वर्षीय महावीर बिस्टहे ठक्कर डेले रहे ।

ट्रकके ठक्करसे गम्भीर घाहिल हुइल बिस्टहे तत्काल उपचारके लाग धनगढी नन्ना क्रममे रातके १० बजे ओर डगरमे मृत्यु हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक बल्देव बडू बटैलैं ।

दुर्घटनापाछे मिनी ट्रक ओ चालक सूर्नया गाउँपालिका–२ ग्वानी घर रहल ३१ वर्षीय मानसिंह बिस्टहे प्रहरी नियन्त्रणमे लेले बा । बिस्टके शव पोस्टमार्टमके लाग धनगढीस्थित सेती प्रादेशिक अस्पतालमे रहल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

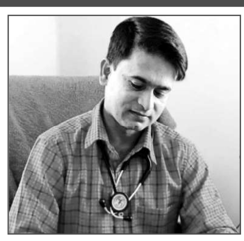

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिंड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिंड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९